Daily Current Affairs

Date : 29 October, 2025

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान में जनगणना – 2027 : प्रथम चरण का पूर्व परीक्षण
2.	घूमर महोत्सव का प्रथम संस्करण
3.	'प्रवासी राजस्थानी मीट' का तीसरा कार्यक्रम : कोलकाता
4.	नवीकरणीय ऊर्जा में राजस्थान का स्थान (अक्टूबर, 2025)
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट – 2026 2. देश का सबसे बड़ा ओरण : भादरिया ओरण 3. 1st NTPC नेशनल रैंकिंग आर्चरी टूर्नामेंट 2025 : जयपुर 4. राष्ट्रीय मूकाभिनय महोत्सव : जयपुर 5. महाराणा प्रताप प्रतिमा अनावरण : रामगंजमंडी (कोटा)
6.	रानी चेन्नम्मा
7.	स्वामी फंड
8.	कफाला सिस्टम
9.	सिग्निफिकेंट कंसर्न श्रेणी: IUCN वर्ल्ड हेरिटेज आउटलुक
10.	माहे वॉटर क्राफ्ट
11.	मिशन फॉर एडवांसमेंट इन हाई-इम्पैक्ट एरियाज (MAHA)-मेडटेक मिशन
12.	दूरसंचार (टेलीकॉम साइबर सुरक्षा) संशोधन नियम, 2025 अधिसूचित
13.	धार्मिक स्वतंत्रता और निजता का अधिकार: सुप्रीम कोर्ट
14.	एक्सेक्यूशन याचिका
15.	श्री नारायण गुरु
16.	खेलों में डोपिंग के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय अभिसमय
17.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. अभ्यास ओशन स्काई 2. कुनार नदी 3. इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम (IDS)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान में जनगणना – 2027 : प्रथम चरण का पूर्व परीक्षण

चर्चा में क्यों?

- 10 से 30 नवंबर, 2025 तक राजस्थान में जनगणना-2027 के तहत प्रथम चरण का पूर्व परीक्षण 3 जिलों में सम्पन्न किया जाएगा।

मुख्य बिन्दु:

पूर्व परीक्षण हेतु चयनित 3 स्थान :

- जयपुर नगर निगम हैरिटेज का किशनपोल जोन।
- नगर परिषद बाड़मेर एवं बाड़मेर तहसील।
- डूँगरपुर की गलियाकोट तहसील।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

जनगणना – 2027:

- भारत की 16वीं जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी, इसके अन्तर्गत प्रथम चरण में अप्रैल, 2026 से सितम्बर, 2026 के मध्य मकानों के सूचीकरण तथा मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा।
- द्वितीय चरण में जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड आदि देश के बर्फ से ढ़के क्षेत्रों में सितम्बर-अक्टूबर-2026 में तथा शेष सम्पूर्ण भारत में फरवरी-मार्च 2027 में जनसंख्या की गणना होगी।
- भारत में जनगणना का कार्य केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा करवाया जाता है वहीं राजस्थान में जनगणना का उत्तरदायित्व सांख्यिकी विभाग का है।
- जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के तहत एक राजपत्र अधिसूचना के अनुसार जनगणना से पहले मकान-सूचीकरण और आवास सर्वेक्षण की शुरुआत हुई है।
- **भारत में पहली डिजिटल जनगणना :** वर्ष 2027 की जनगणना भारत के डिजिटल ढाँचे में परिवर्तन का प्रतीक है, जिसमें गणना प्रक्रिया के संचालन और प्रबंधन के लिए मोबाइल ऐप, क्लाउड सिस्टम और रीयल-टाइम निगरानी उपकरणों का उपयोग किया जाएगा।
- **स्व-गणना की शुरुआत :** पहली बार परिवारों के पास सरकारी पोर्टल या मोबाइल ऐप के माध्यम से स्वयं गणना करने का विकल्प होगा। अपना डेटा जमा करने के बाद, उन्हें सत्यापन के दौरान गणनाकर्ता को दिखाने के लिए एक विशिष्ट आईडी प्राप्त होगी।
- **जातिगत जनगणना :** वर्ष 1931 के बाद पहली राष्ट्रव्यापी जाति-आधारित गणना होगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

घूमर महोत्सव का प्रथम संस्करण

चर्चा में क्यों?

- 19 नवंबर, 2025 को राजस्थान के सातों संभागीय मुख्यालयों - जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, भरतपुर, कोटा और उदयपुर में 'घूमर महोत्सव 2025' का आयोजन किया जाएगा।

मुख्य बिन्दु:

- यह पहली बार है जब राज्यव्यापी घूमर महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।
- **आयोजक :** पर्यटन विभाग, राजस्थान।
- **उद्देश्य :** राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति और महिला सशक्तीकरण को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाना।
- इस महोत्सव में 12 वर्ष से अधिक आयु की बालिकाएँ, युवतियाँ और महिलाएँ भाग ले सकेंगी तथा प्रत्येक समूह में कम से कम 20 और अधिकतम 25 सदस्य होना अनिवार्य है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

घूमर नृत्य (राजस्थान का राज्य नृत्य)

- राजस्थान के 'लोकनृत्यों का सिरमौर' कहलाता है।
- इस नृत्य को 'राजस्थान की आत्मा' कहा जाता है।
- केवल महिलाओं द्वारा किया जाने वाला नृत्य है। आठ चरणों को 'सवाई' कहा जाता है।
- गणगौर घूमर नृत्य अकादमी की स्थापना वर्ष 1986 में राजमाता गोवर्धन कुमारी द्वारा आमेर (जयपुर) की गई थी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

'प्रवासी राजस्थानी मीट' का तीसरा कार्यक्रम : कोलकाता

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान सरकार द्वारा 'प्रवासी राजस्थानी मीट' का तीसरा कार्यक्रम कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में आयोजित किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन तिथि :** 28 अक्टूबर, 2025
- जयपुर में 10 दिसंबर, 2025 को आयोजित होने वाले प्रथम 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' के मद्देनजर राज्य सरकार द्वारा 'प्रवासी राजस्थानी मीट' का आयोजन किया जा रहा है।
- इस श्रृंखला का पहला कार्यक्रम हैदराबाद (तेलंगाना) में 26 सितंबर, 2025 को आयोजित किया गया था।

'प्रवासी राजस्थानी मीट' के इवेंट्स :

- **हैदराबाद :** 26 सितंबर, 2025
- **सूरत :** 8 अक्टूबर, 2025
- **कोलकाता :** 28 अक्टूबर, 2025
- **दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) :** 08 नवंबर, 2025
- **अबू धाबी (संयुक्त अरब अमीरात) :** 11 नवंबर, 2025
- **'प्रवासी राजस्थानी दिवस' का उद्देश्य :** राज्य सरकार के उद्योग विभाग और राजस्थान फाउंडेशन के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रवासी राजस्थानी समुदाय से सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करना और उन्हें राज्य के विकास में सहभागी बनाना है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

राजस्थान फाउंडेशन:

- राजस्थान फाउंडेशन का उद्देश्य भारत और विदेशों में प्रवासी राजस्थानियों के साथ जुड़ना और राज्य के विकास में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।
- राजस्थान के मुख्यमंत्री इसके पदेन अध्यक्ष होते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- यह प्रवासी राजस्थानियों को राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- राजस्थान फाउंडेशन ने भारत में चेन्नई, कोयंबटूर, कोलकाता, सूरत, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद, हैदराबाद, इंदौर और विदेशों में लंदन (UK), न्यूयॉर्क (USA) और काठमांडू (नेपाल) सहित 12 शहरों में शाखाएँ स्थापित की हैं।
- साथ ही, दुबई (UAE), म्यूनिख (जर्मनी), रियाद (सऊदी अरब), टोक्यो (जापान), सिंगापुर, मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया), नैरोबी (केन्या), कंपाला (युगांडा) और दोहा (कतर) में राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टर खोले जाने की स्वीकृति मिल चुकी है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

नवीकरणीय ऊर्जा में राजस्थान का स्थान (अक्टूबर, 2025)

चर्चा में क्यों?

- अक्टूबर 2025 तक, राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में भारत में शीर्ष राज्य के रूप में उभरा है, जिसकी कुल स्थापित क्षमता 40,406.99 मेगावाट है।

मुख्य बिन्दु:

- **सौर ऊर्जा :** राजस्थान 34,555 मेगावाट (MW) की स्थापित क्षमता के साथ सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत में प्रथम स्थान पर है। वहीं राज्य सरकार द्वारा हाल ही में 17 गीगावाट क्षमता की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटित की गई है।
- **पवन ऊर्जा :** मई, 2025 तक, राजस्थान की स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता 5,195.82 मेगावाट थी, जिससे यह पवन ऊर्जा उत्पादन में देश का तीसरा सबसे बड़ा राज्य बन गया।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड (RRECL)

- **गठन :** अगस्त, 2002 में पूर्ववर्ती राजस्थान एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (REDA) और राजस्थान स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RSPCL) के विलय से।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- कंपनी अधिनियम 1956 के तहत पंजीकृत।
- RRECL का उद्देश्य राज्य में गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए एक राज्य नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करना है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति 2024:

- राज्य सरकार द्वारा इस नीति की अधिसूचना 04 दिसंबर, 2024 को जारी की गई।
- **नीति की अवधि:** यह नीति अधिसूचना की तारीख से प्रभावी है और 29 मार्च, 2029 तक या किसी अन्य नीति द्वारा प्रतिस्थापित करने तक लागू रहेगी।

लक्ष्य:

- नीति का उद्देश्य राज्य में वर्ष 2029-30 तक 1,25,000 मेगावाट (125 गीगावाट) अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लक्ष्य को प्राप्त करना है।

125 गीगावाट का विभाजन:

क्रम	उत्पादन का प्रकार	लक्षित क्षमता
1.	सौर (Solar)	90,000 MW
2.	पवन और हाइब्रिड (Wind & Hybrid)	25,000 MW
3.	हाइड्रो, पंप स्टोरेज प्लांट (PSP), बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम	10,000 MW

- **नोट:** राजस्थान द्वारा परंपरागत एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से 54,000 मेगावाट से अधिक विद्युत क्षमता के लक्ष्य को वर्ष 2031-32 तक प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट - 2026** ■ 4 से 6 जनवरी, 2026 तक 'राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026' का आयोजन किया जाएगा। ■ **आयोजन स्थल :** जयपुर। ■ **थीम :** 'AI युग में सतत उद्यमिता - नए विचार, प्रभाव और सबको साथ लेना'। ■ **आयोजक विभाग :** सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग (राजस्थान)। ■ यह समिट AI, फिनटेक, एग्रीटेक, ऑगमेंटेड रियलिटी (AR) और वर्चुअल रियलिटी (VR), मीडियाटेक, प्रॉपटेक और उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों पर केन्द्रित होगा। ■ इस समिट में देश के शीर्ष स्टार्टअप के लिए TGS-100 प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। ■ साथ ही, राज्य सरकार की ओर से नई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पॉलिसी भी लॉन्च की जाएगी।
2.	**देश का सबसे बड़ा ओरण : भादरिया ओरण** ■ जैसलमेर में भादरिया ओरण क्षेत्र देश का सबसे बड़ा ओरण है, जो 17,804 हेक्टेयर में विस्तृत है। ■ यह क्षेत्र पवित्र उपवन और जैव विविधता के संरक्षण के लिए जाना जाता है। सदियों से स्थानीय समुदाय द्वारा इस ओरण का संरक्षण किया जा रहा है। ■ राजस्थान में स्थित अन्य बड़े ओरणों में जैसलमेर का देगराय माता ओरण और बीकानेर का देशनोक ओरण शामिल हैं। बाड़मेर में स्थित वीरात्रा माता ओरण भी एक महत्वपूर्ण ओरण है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3.	**1st NTPC नेशनल रैंकिंग आर्चरी टूर्नामेंट 2025 : जयपुर**

- **आयोजन स्थल :** जगतपुरा शूटिंग रेंज, जयपुर।
- **आयोजन अवधि :** 27 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2025
- **आयोजक :** राजस्थान तीरंदाजी संघ।
- **श्रेणी :** सब-जूनियर, जूनियर, सीनियर – पुरुष और महिला (रिकर्व और कंपाउंड)

4.	**राष्ट्रीय मूकाभिनय महोत्सव : जयपुर**

- **आयोजन स्थल :** जवाहर कला केंद्र, जयपुर।
- **आयोजन अवधि :** 29 और 30 अक्टूबर, 2025
- **सहयोगकर्ता संस्थाएँ :** कोलकाता स्थित 'इंडियन माइम थियेटर' और जयपुर की 'रेनबो सोसायटी'।
- **उद्देश्य :** मूकाभिनय रंगमंच विधा का संरक्षण और प्रसार।

5.	**महाराणा प्रताप प्रतिमा अनावरण : रामगंजमंडी (कोटा)**

- हाल ही में, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर द्वारा कोटा के रामगंजमंडी में महाराणा प्रताप की 16 फीट ऊंची और 12 फीट चौड़ी अश्वारूढ़ प्रतिमा का अनावरण किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

रानी चेन्नम्मा

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में 23 अक्टूबर को रानी चेन्नम्मा की जयंती मनाई गई। उनका विवाह देसाई वंश के राजा मल्लसर्ज से हुआ था। इस प्रकार वे कित्तूर (अब कर्नाटक) की रानी बन गई थीं।

मुख्य बिन्दु:

- अपने पति और इकलौते पुत्र की मृत्यु के बाद उन्होंने शिवलिंगप्पा को गोद ले लिया था तथा उसे अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था।
- अंग्रेजों ने उसे कित्तूर का वैध उत्तराधिकारी मानने से इनकार कर दिया। इसके परिणामस्वरूप, 1824 में कित्तूर विद्रोह हुआ।

कित्तूर विद्रोह:

- इसे ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ पहला भारतीय सशस्त्र विद्रोह माना जाता है। साथ ही, यह महिलाओं द्वारा संचालित शुरुआती उपनिवेश-विरोधी संघर्षों में से भी एक था।
- 1824 में हुई लड़ाई में ब्रिटिश हार गए, लेकिन बाद में रानी चेन्नम्मा को पकड़ लिया गया। 1829 में बैलहोंगल किले में कैद में ही उनकी मृत्यु हो गई।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

स्वामी फंड

चर्चा में क्यों?

- रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने स्वामी (स्पेशल विंडो फॉर अफोर्डेबल एंड मिड-इन्कम हाउसिंग: SWAMIH) फंड को वैकल्पिक निवेश कोष (AIF) के सख्त नियमों से छूट दी है। यह सरकार समर्थित फंड है।

मुख्य बिन्दु:

- RBI, वैकल्पिक निवेश कोष (AIF) में विनियामित संस्थाओं द्वारा किए गए निवेश के संबंध में विनियामक दिशा-निर्देशों को निर्धारित करता है।

स्वामी फंड 2019:

- यह एक कैटेगरी II AIF है।
- AIF का अर्थ भारत में स्थापित या निगमित ऐसा कोई भी फंड है, जो एक निजी रूप से जमा निवेश साधन है। ये निवेश के लिए बड़े निवेशकों (चाहे भारतीय हों या विदेशी) से धन जुटाते हैं।
- AIF को SEBI द्वारा विनियमित किया जाता है। उदाहरण के लिए: वेंचर कैपिटल फंड्स (जिनमें एंजल फंड्स भी शामिल हैं)।
- **उद्देश्य:** यह फंड रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए प्राथमिक ऋण वित्त-पोषण प्रदान करता है।
- **फंड मैनेजर:** SBI वेंचर्स लिमिटेड।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

कफाला सिस्टम

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, सऊदी अरब ने कफाला सिस्टम को समाप्त कर दिया है। इससे लगभग 13 मिलियन विदेशी श्रमिकों को लाभ होगा, जिनमें से 2.6 मिलियन से अधिक भारतीय श्रमिक हैं।

मुख्य बिन्दु:

कफाला सिस्टम:

- यह एक कामगार प्रायोजन कार्यक्रम था। इसमें नियोक्ता का अपने कर्मचारियों की कानूनी स्थिति, निवास, देश छोड़ने, कानूनी मदद प्राप्त करने, या नौकरी बदलने पर पूरा नियंत्रण होता था।
- इस सिस्टम में प्रत्येक प्रायोजक या 'कफील' को एक प्रवासी कामगार से जोड़ा जाता था।
- नियोक्ता इस सिस्टम का दुरुपयोग तथा कामगारों का शोषण भी करने लगे थे। उदाहरण के लिए- वे प्रवासी कामगारों के देश छोड़ने को नियंत्रित करते थे और उनका पासपोर्ट अपने पास रख लेते थे।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सिग्निफिकेंट कंसर्न श्रेणी: IUCN वर्ल्ड हेरिटेज आउटलुक

चर्चा में क्यों?

- IUCN वर्ल्ड हेरिटेज आउटलुक रिपोर्ट में पश्चिमी घाट, असम का मानस राष्ट्रीय उद्यान और पश्चिम बंगाल का सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान को "सिग्निफिकेंट कंसर्न" श्रेणी में शामिल किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- IUCN वर्ल्ड हेरिटेज आउटलुक रिपोर्ट सभी विश्व धरोहर स्थलों के प्राकृतिक मूल्यों के आधार पर उनके संरक्षण की संभावनाओं का आकलन करती है।
- इस रिपोर्ट में स्थलों को चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है- गुड, गुड विद सम कंसर्न, सिग्निफिकेंट कंसर्न, और क्रिटिकल।
- सिग्निफिकेंट कंसर्न का अर्थ है कि विश्व धरोहर स्थल के मूल्य और उसकी मूलभूत विशेषताएँ कई मौजूदा और संभावित खतरों का सामना कर रहे हैं, जिनके लिए अतिरिक्त संरक्षण उपाय करना अनिवार्य है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

माहे वॉटर क्राफ्ट

चर्चा में क्यों?

- 8 एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट्स में से पहला क्राफ्ट 'माहे' भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **निर्माता:** कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (CSL), कोच्चि।
- **नामकरण:** केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के ऐतिहासिक बंदरगाह शहर 'माहे' के नाम पर।
- **क्षमताएँ:** तटीय जल के भीतर निगरानी, कम तीव्रता वाले समुद्री अभियान (LIMO), तटीय जल में एंटी-सबमरीन वारफेयर (ASW) का संचालन।
- **महत्त्व:** यह तटीय क्षेत्रों में भारतीय नौसेना की एंटी-सबमरीन वारफेयर क्षमता को बढ़ाएगा और सरकार के आत्मनिर्भर भारत विज़न का समर्थन करेगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मिशन फॉर एडवांसमेंट इन हाई-इम्पैक्ट एरियाज (MAHA)-मेडटेक मिशन

चर्चा में क्यों?

- MAHA-मेडटेक मिशन को अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (ANRF) ने शुरू किया है। इसे भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) और गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से आरंभ किया गया है।

मुख्य बिन्दु:

- ANRF की स्थापना ANRF अधिनियम, 2023 के माध्यम से की गई है। इसकी स्थापना राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुसार वैज्ञानिक अनुसंधान को उच्च-स्तरीय रणनीतिक दिशा प्रदान करने के लिए एक शीर्ष निकाय के रूप में की गई है।

MAHA-मेडटेक मिशन

- **उद्देश्य:** भारत के चिकित्सा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नवाचार को गति प्रदान करना; महंगे आयातों पर निर्भरता को कम करना; तथा वहनीय एवं उच्च गुणवत्ता युक्त चिकित्सा प्रौद्योगिकियों तक समान पहुंच को बढ़ावा देना।
- **वित्त-पोषण:** इसके तहत शैक्षणिक और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, अस्पतालों, स्टार्ट-अप्स, MSMEs, तथा मेडटेक उद्योग एवं संस्थाओं के बीच सहयोग सहित विभिन्न प्रकार की संस्थाओं को वित्त-पोषण सहायता प्रदान की जाएगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजव्यवस्था

दूरसंचार (टेलीकॉम साइबर सुरक्षा) संशोधन नियम, 2025 अधिसूचित

चर्चा में क्यों?

- दूरसंचार (टेलीकॉम साइबर सुरक्षा) संशोधन नियम, 2025 को दूरसंचार विभाग (DoT) ने 2024 नियमों में संशोधन के रूप में अधिसूचित किया है।

मुख्य बिन्दु:

- **टेलीकम्युनिकेशन आइडेंटिफायर यूजर एंटिटीज़:** यह एक नई श्रेणी बनाई गई है। इसमें वे सभी व्यवसाय शामिल होंगे, जो ग्राहकों की पहचान या सेवाएँ प्रदान करने के लिए फोन नंबर का उपयोग करते हैं। हालांकि, लाइसेंस प्राप्त टेलीकॉम ऑपरेटर इसमें शामिल नहीं हैं।
- इसका अर्थ है कि अब ज़ोमैटो, फोनपे, पेटीएम, उबर जैसे ऐप्स और मैसेजिंग सेवाएं भी एयरटेल एवं जियो जैसे ऑपरेटर्स की तरह ही विनियामक ढांचे के अंतर्गत आएंगी।
- **मोबाइल नंबर सत्यापन प्रणाली:** केंद्र सरकार एक नई प्रणाली बनाएगी, जिससे यह सत्यापित किया जा सकेगा कि उपयोगकर्ता द्वारा दिया गया फोन नंबर वास्तव में वैध टेलीकॉम ग्राहक का है या नहीं।
- **दूरसंचार उपकरणों के उपयोग और बिक्री का विनियमन:** निर्माताओं को यह निर्देश दिया गया है कि वे पहले से उपयोग में लाए जा रहे अंतरराष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान (IMEI) नंबरों को आवंटित न करें तथा छेड़छाड़ किए गए या प्रतिबंधित IMEIs के लिए एक डेटाबेस बनाए रखें।

दूरसंचार साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के अन्य उपाय

- **फाइनेंशियल फ्रॉड रिस्क इंडिकेटर:** इसे दूरसंचार विभाग (DoT) ने लॉन्च किया है। यह संदिग्ध नंबरों को मध्यम, उच्च, या बहुत उच्च-जोखिम वाले नंबरों के रूप में वर्गीकृत करता है।
- **डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023:** यह अधिनियम डेटा संस्थाओं पर कड़े सुरक्षा उपाय अपनाने की जिम्मेदारी डालता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

धार्मिक स्वतंत्रता और निजता का अधिकार: सुप्रीम कोर्ट

चर्चा में क्यों?

- सुप्रीम कोर्ट ने राजेंद्र बिहारी लाल बनाम उत्तर प्रदेश राज्य और अन्य मामलों में यह कहा कि निजता का अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अभिन्न अंग है।

मुख्य बिन्दु:

धार्मिक स्वतंत्रता और निजता के अधिकार के बीच क्या संबंध है?

- **निजता और धर्म के बीच प्रत्यक्ष संबंध:** सुप्रीम कोर्ट ने इस तथ्य पर प्रकाश डाला है कि संविधान के अनुच्छेद 25 में अंत:करण की और धर्म की अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता में निजता का घटक भी शामिल है।
- अनुच्छेद 25 में आस्था को चुनने का अधिकार और उस आस्था को व्यक्त करने या न व्यक्त करने की स्वतंत्रता भी शामिल है।
- किसी की व्यक्तिगत आस्था का प्रकाशन और घोषणा करना अनुच्छेद 25 व 21 के तहत निजता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है।
- विविध राज्यों द्वारा बनाए गए विभिन्न धर्मांतरण कानूनों की अब सुप्रीम कोर्ट द्वारा जाँच की जा रही है। इन कानूनों को निजता की कसौटी पर भी खरा उतरना अनिवार्य है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई अन्य टिप्पणियाँ

- **पंथनिरपेक्षता:** सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने दोहराया कि प्रस्तावना में 'पंथनिरपेक्ष' शब्द संविधान की मूल संरचना का एक अभिन्न हिस्सा है।
- **के.एस. पुट्टास्वामी मामला:** निजता का अधिकार एक मौलिक अधिकार है, जो विशेष रूप से अनुच्छेद 21 के अंतर्गत संरक्षित है।
- **शफीन जहान बनाम अशोकन के.एम. मामला:** इसके तहत आस्था और विवाह से जुड़ी पसंद में व्यक्तिगत स्वायत्तता को बरकरार रखा गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

एक्सेक्यूशन याचिका

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालतों में काफी संख्या में एक्सेक्यूशन याचिकाओं के लंबित (8.82 लाख से अधिक) होने का मुद्दा उठाया है, जिसके कारण लंबित मामले बढ़ते जा रहे हैं।

मुख्य बिन्दु:

एक्सेक्यूशन याचिका:

- यह एक कानूनी साधन है, जिसका उपयोग आदेश को लागू करने के लिए किया जाता है। जब केस को हारने वाला पक्ष अदालत के निर्णय का अनुपालन नहीं करता है, तब केस को जीतने वाला पक्ष अदालत से औपचारिक रूप से अनुरोध करता है कि वह अपने निर्णय को लागू करवाए।
- 2021 में, सुप्रीम कोर्ट ने एक्सेक्यूशन याचिका से जुड़ी कार्यवाही के निपटारे के लिए 6 महीने की समय-सीमा तय करने हेतु दिशा-निर्देश दिए थे।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

व्यक्तित्व

श्री नारायण गुरु

चर्चा में क्यों?

- भारत की राष्ट्रपति ने केरल में श्री नारायण गुरु की महासमाधि शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया।

मुख्य बिन्दु:

- **जन्म:** उनका जन्म तिरुवनंतपुरम के पास एझावा परिवार में हुआ था। वे एक संत, दार्शनिक, कवि और समाज सुधारक थे। उन्होंने जाति व्यवस्था का घोर विरोध किया था।

मुख्य योगदान

- उन्होंने "सभी मनुष्यों के लिए एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर" के विचार का प्रचार किया था।
- उन्होंने "अरुविपुरम आंदोलन" शुरू किया था। यह सभी जातियों के मंदिर में प्रवेश के समान अधिकार के लिए चलाए गए आरंभिक आंदोलनों में से एक था।
- उन्होंने 1903 में, पी. पल्पु के साथ मिलकर एक संगठन की स्थापना की थी। इसे बाद में श्री नारायण धर्म परिपालन योगम कहा गया। इसका उद्देश्य एझावा समुदाय का उत्थान करना था।
- उन्होंने त्रावणकोर में मंदिर प्रवेश के लिए वायकोम सत्याग्रह (1924-25) का समर्थन किया।
- **रचनाएँ:** उनकी रचनाओं में अनुकम्पादसकम, ब्रह्मविद्या पंचकम आदि शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

खेल

खेलों में डोपिंग के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अभिसमय

चर्चा में क्यों?

- खेलों में डोपिंग के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अभिसमय के CoP के 10वें सत्र में भारत को ब्यूरो फॉर एशिया-पेसिफिक का पुनः उपाध्यक्ष चुना गया। अज़रबैजान को अध्यक्ष चुना गया।

मुख्य बिन्दु:

खेलों में डोपिंग के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अभिसमय

- **सदस्य:** 192 देश (भारत भी इसका हस्ताक्षरकर्ता है)।
- **पृष्ठभूमि:** यह एक बहुपक्षीय संधि है, जिसमें देश डोपिंग को रोकने और समाप्त करने के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय उपाय अपनाने पर सहमत होते हैं।
- **उद्भव:** यह संधि यूनेस्को द्वारा 2005 में अपनाई गई थी और यह 2007 में प्रभावी हुई थी।
- **लक्ष्य:** खेलों में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डोपिंग रोधी कानूनों, नियमों और विनियमों में समन्वय सुनिश्चित करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**अभ्यास ओशन स्काई** ■ भारतीय वायु सेना (IAF) स्पेन में आयोजित अभ्यास 'ओशन स्काई 2025' में शामिल हुई। ■ **प्रकृति:** यह स्पेनिश वायु सेना द्वारा आयोजित एक बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास है। ■ यह पहली बार है कि कोई गैर-नाटो देश इस अभ्यास में भाग ले रहा है, जो भारत-स्पेन के बीच बढ़ते संबंधों को दर्शाता है।
2.	**कुनार नदी** ■ अफगानिस्तान ने कुनार नदी पर एक बांध बनाने की योजना की घोषणा की है। इससे पाकिस्तान में कुनार नदी का प्रवाह बाधित हो जाएगा। ■ यह काबुल नदी की एक मुख्य सहायक नदी है, जो पाकिस्तान में सिंधु नदी में मिल जाती है। ■ **उद्गम:** पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा के चित्राल में हिमाच्छादित हिंदू कुश पर्वत से। इसके बाद यह अफगानिस्तान में बहती है और काबुल नदी में मिल जाती है। ■ **दो मुख्य सहायक नदियाँ:** बशगल और पेच।
3.	**इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम (IDS)** ■ पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (NFR) अपने रेलवे नेटवर्क पर हाथियों की मौत को रोकने के लिए इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम (IDS) लागू कर रहा है। ■ यह उन्नत ऑप्टिकल फाइबर सेंसिंग तकनीक का उपयोग करता है। यह तकनीक हाथियों के आवागमन से उत्पन्न होने वाली कंपन को सेंसिंग केबल्स के माध्यम से पहचानती है। फिर रियल टाइम में कंट्रोल रूम को सिग्नल भेजती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR